ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
उदयपुर, बुधवार 13 मार्च 2024
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
वर्ष 1 अंक 10

दो बहनों की जगह महिला लेक्चरर ने दिया था एग्जाम

एसआई भाई ने डमी कैंडिडेट को दिए 15-15 लाख, एसओजी ने भाई-बहन को पकड़ा

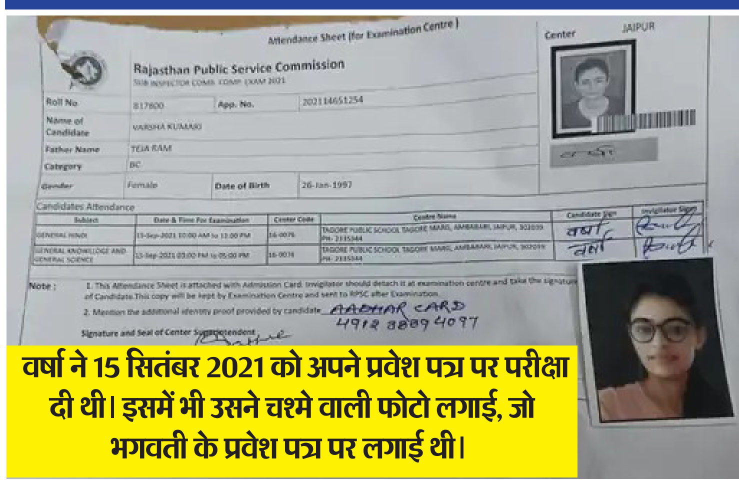
वर्षा ने 15 सितंबर 2021 को अपने प्रवेश पत्र पर परीक्षा दी थी। इसमें भी उसने चश्मे वाली फोटो लगाई, जो भगवती के प्रवेश पत्र पर लगाई थी।

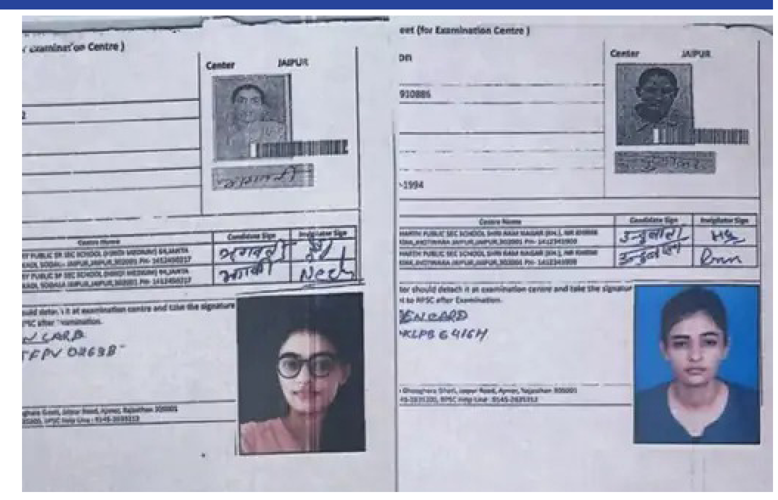

वर्षा ने भगवती और इंदूबाला की जगह डमी कैंडिडेट के रूप में एग्जाम दिया था। उसने एक प्रवेश पत्र में चश्मे के साथ फोटो और दूसरे पर बिना चश्मे के साथ फोटो लगाई थी, ताकि पकड़ी नहीं जाए।

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट. जयपुर। एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक केस में एसओजी ने साल 2014 बैच के एसआई और साल 2021 बैच की महिला एसआई को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि जोधपुर में तैनात महिला लेक्चरर ने जयपुर में दो बहनों के लिए डमी कैंडिडेट के रूप में परीक्षा दी थी। दोनों बहनों का भाई एसआई है। वर्तमान में वह भरतपुर एसपी ऑफिस में तैनात है। इसी ने डमी कैंडिडेट बैठाने का षड्यंत्र रचा था। एसआई परीक्षा में महिला लेक्चरर ने पहले दो बहनों और फिर अपने लिए अलग-अलग नाम से पेपर दिया और तीनों में पास हो गई। इंदू बाला मेरिट में 1139 नंबर पर, भगवती 248 नंबर पर और खुद वर्षा 843वें नंबर पर रही थी। लेक्चरर वर्षा ने आरपीए जयपुर में ट्रेनिंग सेंटर जॉइन नहीं किया, जबकि दो बहनों ने जॉइन कर लिया था। एसओजी बुधवार को इंदू बाला और जगदीश को कोर्ट के सामने पेश कर रिमांड पर लेगी। एसओजी का मानना है कि जगदीश ने न केवल अपनी बहनों को सब इंस्पेक्टर बनाने के लिए डमी कैंडिडेट बैठाया था, बल्कि उसने और भी लोगों के लिए भी डमी कैंडिडेट की व्यवस्था की थी। वर्षा ने भगवती और इंदूबाला की जगह डमी कैंडिडेट के रूप में एग्जाम दिया था। उसने एक प्रवेश पत्र में चश्मे के साथ फोटो और दूसरे पर बिना चश्मे के साथ फोटो लगाई थी, ताकि पकड़ी नहीं जाए। वर्षा ने भगवती और इंदूबाला की जगह डमी कैंडिडेट के रूप में एग्जाम दिया था। उसने एक प्रवेश पत्र में चश्मे के साथ फोटो और दूसरे पर बिना चश्मे के साथ फोटो लगाई थी, ताकि पकड़ी नहीं जाए।

प्रवेश पत्र पर साफ फोटो नहीं होने का फायदा उठाया

एडीजी वीके सिंह ने बताया- जांच में एक ही महिला अभ्यर्थी के बाकी 2 अभ्यर्थियों के स्थान पर भी परीक्षा देना पाया गया। प्रवेश पत्र पर मुख्य अभ्यर्थी की फोटो स्कैन की हुई थी, जिससे फोटो साफ नहीं दिख रही थी। इसी का फायदा उठाते हुए वर्षा ने प्रवेश पत्र पर अपनी फोटो लगाकर सेंटर में प्रवेश ले लिया। वीके सिंह ने बताया कि एसओजी ने मंगलवार को आरोपी एसआई जगदीश सियाग निवासी सांचौर और उसकी बहन इंदूबाला को गिरफ्तार कर लिया। एक बहन भगवती पहले ही गिरफ्तार है। इंदूबाला और भगवती की जगह डमी कैंडिडेट के रूप में एग्जाम देने वाली लेक्चरर वर्षा अभी भी फरार है। भगवती और इंदू बाला 2015 बैच की कॉन्स्टेबल थी और जालोर में तैनात थी। डमी अभ्यर्थी के रूप में परीक्षा देने के लिए वर्षा ने 15-15 लाख रुपए लिए थे। वर्षा ने 15 सितंबर 2021 को अपने प्रवेश पत्र पर परीक्षा दी थी। इसमें भी उसने चश्मे वाली फोटो लगाई, जो भगवती के प्रवेश पत्र पर लगाई थी।

2 दिन डमी अभ्यर्थी बनकर एग्जाम, तीसरे दिन खुद की परीक्षा दी

एसओजी की जांच में सामने आया है कि वर्षा कुमारी ने 13 सितंबर 2021 को सिद्धार्थ पब्लिक सेकेंडरी स्कूल खिरणी फाटक झोटवाड़ा सेंटर में इंदूबाला (रोल नंबर 263900) की जगह परीक्षा दी। इसके बाद 14 सितंबर को चौधरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल रांकड़ी सोडाला में भगवती (रोल नंबर 525669) की जगह परीक्षा दी। इसके बाद 15 सितंबर 2021 को वर्षा ने टैगोर पब्लिक स्कूल विंग-2 टैगोर नगर अंबाबाड़ी जयपुर में खुद के लिए (रोल नंबर 817800) परीक्षा दी। एसओजी ने आरपीएससी से तीनों आरोपियों के परीक्षा में मौजूद होकर पेपर देने के सभी दस्तावेज प्राप्त कर लिए हैं। वर्षा, इंदू बाला और भगवती विश्नोई की तस्वीरों में बहुत बड़ा अंतर दिखाई देता है। ऐसे में परीक्षा केंद्र में इसकी जांच क्यों नहीं की गई। इसको लेकर भी जांच की जा रही है।

जगदीश को पहली नियुक्ति में ही एसीबी ने किया था ट्रैप

जगदीश का साल 2014 में सब इंस्पेक्टर के पद पर चयन हुआ था। पहली नियुक्ति बालोतरा (बाड़मेर) में मिली थी। जगदीश पहली नियुक्ति में एक मामले में रिश्वत लेते पकड़ा गया था। हालांकि बाद में वह बरी हो गया था। अक्टूबर 2022 तक जैसलमेर में तैनात रहा। इसके बाद उसका भरतपुर एसपी ऑफिस में तबादला हो गया। मंगलवार को एसओजी ने भरतपुर एसपी ऑफिस से ही उसे गिरफ्तार किया। जगदीश ने ही वर्षा को 15-15 लाख के बदले परीक्षा देने के लिए राजी किया था।

सेंसेक्स 906 अंक गिरकर 72,761 पर बंद, निवेशकों के 14 लाख करोड़ डूबे

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

मुंबई. शेयर बाजार में आज यानी 13 मार्च को बड़ी गिरावट देखने को मिली है। सेंसेक्स 906 अंक की गिरावट के साथ 72,761 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 338 अंक की गिरावट रही। ये 21,997 के स्तर पर बंद हुआ।
स्मॉलकैप और मिडकैप इंडेक्स में भी आज गिरावट रही। स्मॉलकैप इंडेक्स 2,189 अंक (5.11%) गिरकर 40,641 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं मिडकैप में 1,646 अंक (4.20%) की गिरावट रही। ये 37,591 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 23 में गिरावट और सिर्फ 7 में तेजी देखने को मिली। जेट एयरवेज के शेयर में लगातार दूसरे दिन अपर सर्किट जेट एयरवेज के शेयर में आज लगातार दूसरे दिन 5% का अपर सर्किट लगा। ये 2.15 रुपए (5.00%) चढ़कर 45.20 रुपए पर बंद हुआ।

निवेशकों के 14 लाख करोड़ डूबे

शेयर मार्केट का मार्केट कैप कल 385.64 लाख करोड़ रुपए था, जो अब घटकर 371.69 लाख करोड़ हो गया है। यानी मार्केट कैप में करीब 14 लाख करोड़ की गिरावट आई है।

बीते 5 दिन में 7% गिरा BSE स्मॉलकैप

बीते 5 दिन में BSE स्मॉलकैप इंडेक्स 7% से ज्यादा गिर चुका है। मिड-कैप और स्मॉल-कैप सूचकांकों में दबाव मार्केट रेगुलेटर सेबी की चेयरपर्सन के बयान के बाद से देखा जा रहा है। सेबी चीफ ने छोटे और मझोले आकार की कंपनियों के शेयरों के ऊंचे वैल्यूएशन पर चिंता जताई थी।
उन्होंने कहा था- 'कुछ लोग इसे बबल कह रहे हैं। ये सही नहीं होगा कि इस बबल को और बड़ा बनने दिया जाए। अगर ये बनता रहेगा और जब ये फूटेगा तो इसका असर निवेशकों पर होगा। ये सही चीज नहीं है। इन कंपनियों के वैल्यूएशन

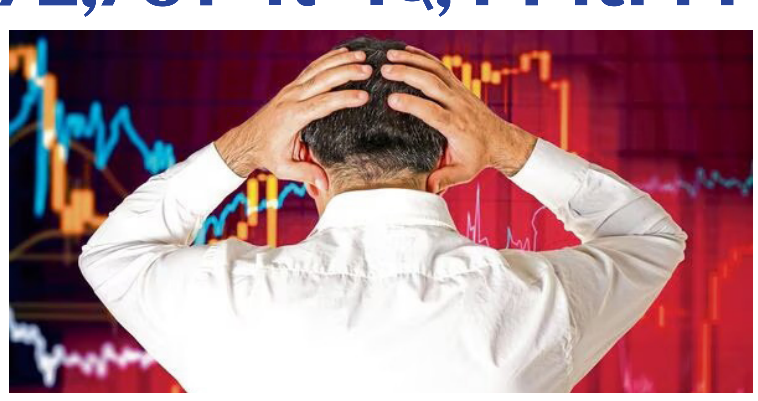

फंडामेंटल को सपोर्ट नहीं कर रहे हैं।'

JG केमिकल्स का शेयर 16% टूटा

JG केमिकल्स की शेयर बाजार में खराब लिस्टिंग हुई है। NSE पर ये 5.43% डिस्काउंट के साथ 209 रुपए प्रति शेयर पर लिस्ट हुआ है। BSE पर इसकी लिस्टिंग 4.52% डिस्काउंट के साथ 211 रुपए पर हुई है। इसके बाद भी इसमें और गिरावट देखने को मिली और ये BSE पर 36.20 रुपए (16.38%) गिरकर 184.80 रुपए पर बंद हुआ। IPO में इसके शेयर का प्राइस 221 रुपए था।
पॉपुलर व्हीकल्स एंड सर्विसेज के IPO में निवेश का मौका ऑटोमोबाइल डीलरशिप्स बिजनेस से जुड़ी कंपनी पॉपुलर व्हीकल्स एंड सर्विसेज लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी IPO 12 मार्च से ओपन हो गया है। रिटेल निवेशक इस IPO के लिए 14 मार्च तक बोली लगा सकेंगे। IPO के जरिए कंपनी 601.55 करोड़ जुटाना चाहती है।
पॉपुलर व्हीकल्स एंड सर्विसेज लिमिटेड ने इस इश्यू का प्राइस बैंड 280-295 तय किया है। रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 50 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आप IPO के अपर प्राइस बैंड 295 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाई करते हैं, तो इसके लिए 14,750 इन्वेस्ट करने होंगे। वहीं, मैक्सिमम 13 लॉट यानी 650 शेयर्स के लिए रिटेल निवेशक अप्लाई कर सकते हैं। इसके लिए निवेशकों को अपर प्राइस बैंड के हिसाब से 191,750 खर्च करने होंगे।

जंगल से आई खुशखबरी

एसटी 12 बाघिन 3 नए शावकों के साथ कैमरे में कैद

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

सरिस्का टाइगर रिजर्व से वनप्रेमियों के लिए बड़ी खुशी की खबर सामने आई है. यहां बाघों का कुनबा बढ़ा है. कुछ दिनों पहले यहां से एक बाघिन के प्रेग्नेंट होने की खबर सामने आई थी. अब पता चला है कि उक्त बाघिन ने तीन शावकों को जन्म दिया है. दरअसल सरिस्का टाइगर रिजर्व के जंगल में पेड़ों पर जंगली जीवों की ट्रैकिंग के लिए लगाए गए कैमरे में बाघिन अपने तीन शावकों के साथ नजर आई है. इस तस्वीर को वन विभाग के अधिकारियों ने जारी किया है.

बाघिन एसटी-12 ने तीन शावकों को दिया जन्म

मिली जानकारी के अनुसार सरिस्का टाइगर रिजर्व की तालवृक्ष रेंज में बाघिन एसटी-12 ने 3 शावकों को जन्म दिया है. इस बाघिन ने तीसरी बार शावकों को जन्म दिया है. इस खबर के बाद सरिस्का प्रशासन और वन्य जीव प्रेमियों में खुशी की लहर है. सरिस्का में अब बाघों की संख्या बढ़कर 33 हो गई है.

संपादकीयः डार्क होर्स साबित हो सकते हैं ताराचंद मीणा

विशेष संपादकीय : सुशील जैन

स्वतंत्र लेखक

उदयपुर की राजनीति में आज सूर्यास्त के समय कांग्रेस में एक बार फिर राजनीतिक सितारे का उदय हुआ। पूर्व जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा को कांग्रेस ने टिकट देकर लगभग भाजपा के हाथ में गई लोकसभा सीट पर मुकाबला कांटे का बना दिया। ताराचंद मीणा ने अपने पूरे कार्यकाल में पूरा फोकस उदयपुर के आदिवासी अंचलों पर रखा। झाड़ोल और कोटड़ा को एक तरह से उनकी राजनीति की प्राथमिक पाठशाला की प्रयोगशाला बन गई थी जिसमें उन्होंने 'मिशन कोटड़ा' जैसे फलदायी वटवृक्ष लगाए और जमकर वाहवाही लूटी। मिशन कोटड़ा हालांकि आइडिया किसी जीनियस अफसर का था मगर उन्होंने इसे लपकते हुए श्रेय अपने नाम पर लूट लिया। यही नहीं जब गहलोत सरकार में जिले बांटे जा रहे थे तब झाड़ोल को जिले का दर्जा दिलाने की भी जबर्दस्त पैरवी की। विधानसभा चुनाव आते-आते उनकी राजनीतिक महात्वाकांक्षाओं के किस्से प्रशासनिक गलियारों से रिस-रिस कर जनता की चौपाल तक आने लग गए, पूर्व सांसद रघुवीर मीणा से मुलाकातों और फिल्डिंग जमाने कि किस्से भी सुर्खियां बंटोरने लगे। तब कहा जाने लगा कि शायद उन्हें झाड़ोल से टिकट मिल सकता है। मगर वहां की पुरानी खांटी राजनीति के चक्रव्यूह को वे पार नहीं पास के और अगले मूव का इंतजार करते हुए चुप बैठने में ही भलाई समझी। मिलनसारिता, सह्रदयता, जनता से जुड़ाव और समस्याओं की समझ, सबको साथ लेकर चलने के जिन गुणों का मुजाहिरा उन्होंने पद पर रहते हुए किया वे जन मानस पर अभी तक ताजा हैं। इस यूएसपी को वे कितना भुना पाते हैं ये तो आने वाला वक्त ही बता पाएगा। उनके मुकाबले भाजपा से उदयपुर में डीटीओ रह चुके मन्नालाल रावत हैं जिन्होंने आज विधानसभा क्षेत्रों में अपना चुनाव प्रचार भी धाकड़ अंदाज में शुरू कर दिया और कल से चुनाव कार्यालय खुलने शुरू हो जाएंगे। रावत धुंआधार तरीके हर वर्ग से संपर्क साध कर मोदीजी की गारंटी, आरएसएस वाला हार्डकोर हिन्दुत्व और आदिवासियों की घर वापसी जैसे अपने आईडियोलॉजी बेस्ड विचारों को लेकर वोट मांग रहे हैं। यूं तो उदयपुर के खेल में रावत और मीणा दोनों का पॉलिटिकल डेब्यू होने जा रहा है। दोनों उस पिच पर खेलने जा रहे हैं जिस पर राजनीति के धुरंधरों ने अपनी पारी खेली है। दीगर बात ये एक तरह से दोनों दलों के प्रत्याशी आयातित हैं। भाजपा का खेमा स्थानीय राजनीति से ऐसा कोई चेहरा नहीं खोज पाया जो काबिल हो। उसकी तलाश विचार परिवार के वर्चुअल थिंकटेंक वाले ड्राइविंग ट्रेक पर जाकर पूरी हुई। जबकि कांग्रेस के पास मीणा के अलावा कोई विकल्प बचा ही नहीं था। इसका सीधा सा कारण चुनावी खर्च की 'हाथ की तंगी' में देखा जा सकता है।

खैर, दोनों प्रत्याशियों को प्रशासन की गहरी समझ है और दोनों आदिवासी बेकग्राउंड से हैं। ऐसे में अब उदयपुर सीट पर मुकाबला दिलचस्प हो गया है। अब बीएपी और बीटीपी की वोट उड़ाती-झुलसाती हवाओं के बीच आदिवासी वोटों का बंटवारा निश्चित है। ऐसे में एक-एक वोट पर दोनों प्रत्याशियों को नजर रखनी होगी, उसे पक्का करने के पैंतरे आजमाने होंगे। फ्लोटिंग वोटर और अन्य वर्गों का वोट ही निर्णायक साबित होंगे। भाजपा के चुनावी घोड़े और सिपहसालार उन्हीं के शब्दों में इस युद्ध में सरपट दौड़ रहे हैं तो कई स्तरों पर दृश्य व अदृश्य सेना की मोर्चाबंदी हो चुकी है। तो दूसरी ओर कांग्रेस के हाथ को अभी अपने भाग्य की लकीरें खुद लिखना भी बाकी है। यही नहीं पांचों उंगलियों को बंद कर हाथ की मुट्ठी तन जाए, उतनी राजनीतिक प्रभावशीलता और रौब-दाब तक पैदा करने की अभी जरूरत महसूस की जा रही है। स्थानीय दिग्गज तो पहले ही रिटायर्ड-हर्ट हो कर पैवेलियन लौट चुके हैं। कांग्रेस के ऐसे दौर में जब कई नेता पार्टी का साथ छोड़ कर कमल का दामन थाम रहे हैं या फिर विभिन्न मामलों में जांच की आंच को मंदा करने भाजपा की वाशिंग मशीन में धुल कर ठंडी आहें भर रहे हैं, ऐसे में ताराचंद मीणा का कांग्रेस का टिकट पाना मेवाड़ की राजनीति की एक बड़ी परिघटना कही जा सकती है। ताराचंद मीणा के सामने जो चुनौतियां हैं उनसे वे तब से वाकिफ होंगे जब से उन्होंने राजनीति में उतरने का मंसूबा पाला होगा। उनके लिए तो टिकट मिलते धुआंधार तरीके से जुट जाने के अलावा कोई चारा नहीं बचा है। नींदों में घुलते सपनों वाली बूथ स्तर तक की सेना में जोश भरना है। ....दूसरी तरफ भाजपा जानती है कि ताराचंद मीणा को हल्के में नहीं लिया जा सकता, वे डार्क होर्स साबित हो सकते हैं शायद इसीलिए डबल इंजन की सरकार आते ही ताराचंद मीणा को उनके कार्यस्थल पर 'आदेश की प्रतीक्षा में' वाले साइलेंट मोड पर डाल दिया गया और फाइलें खंगालने का मिशन शुरू हो गया। पॉलिटिकल कैम स्कैनर से उनके कार्यकाल के वृत्तचित्र का हर पिक्सल देखा जा रहा है। बहरहाल, मोहनलाल सुखाडिय़ा और उसके बाद गुलाबचंद कटारिया जैसे दिग्गजों वाली भाजपा और कांग्रेस की जाजम बिछा कर बरसों से सेवा करने वाली लीडरशिप व कार्यकर्ताओं के लिए भी यह चिंतन का मौका है कि आखिर उनकी तपस्या में कहां कमी रहे गई है कि आला-कमान दोनों दलों में लोकल लीडरशिप नहीं खोज पाए और टिकट ब्यूरोक्रेसी के हाथ चला गया।

'राजस्थान अब बिजली खरीदने वाला नहीं बेचने वाला राज्य बनेगा'

सीएम भजनलाल बोले- गहलोत बिजली कंपनियों को 92 हजार करोड़ के कर्ज में डुबो गए

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

जयपुर। सीएम भजनलाल शर्मा ने पूर्व सीएम अशोक गहलोत पर बिजली कंपनियों को कर्ज में डुबोने का आरोप लगाया है। सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा- राजस्थान में जब-जब कांग्रेस की सरकार आई बिजली कंपनियों को कर्ज में डुबोने का काम की। 2008 से 2013 में कांग्रेस की सरकार रही। इस दौरान इन्होंने बिजली कंपनियों पर 65 हजार करोड़ रूपए का कर्जा छोड़ा। 2014 में केंद्र में हमारी सरकार आई सबसे पहले कुसुम योजना के नाम से 62 हजार करोड़ रूपए चुकाने का काम की। लेकिन जैसे ही 2018 में सरकार बदली एक बार फिर बिजली कंपनियों को कर्ज में डुबा दिया गया। 2023 में जैसे ही हमारी सरकार बनी। इस दौरान तक पिछले कर्ज के मुकाबले 1.5 गुना बढ़कर 90 हजार करोड़ का घाटा यह सरकार हमें देकर गई है। इसके साथ ही कांग्रेस की सरकार ने 300 करोड़ रूपए का घाटा समय पर लोन लेकर किस्त नही भरने से हुआ। सीएम ने कहा- जब लोन लेकर ही कर्ज चुकाना चाहते थे तो उस लोन को पहले भी ले सकते थे। लेकिन 300 करोड़ रूपए का घाटा राजस्थान सरकार को लोन लेकर समय पर नहीं चुकाने का यह सरकार देकर गई है। राजस्थान सरकार राज्य के 50 हजार से अधिक किसानों को सब्सिडी पर सोलर पंप देने जा रही है। इन सोलर पंप पैनल के लिए 908 करोड़ रूपए सब्सिडी पर खर्च होंगे। राज्य सरकार इन सौर ऊर्जा संयंत्र के माध्यम से लगभग 200 मेगावाट बिजली का उत्पादन करेगी। इससे किसानों को सिंचाई के लिए बिजली की उपलब्धता पर निर्भर नही रहना पड़ेगा। साथ ही सरकार पर भी कृषि बिजली कनेक्शन और उस पर दिए जाने वाली सब्सिडी की समस्या से छुटकारा मिल सकेगा।

क्या है पीएम कुसुम सोलर पंप परियोजना

जिन किसानों के पास सिंचाई के लिए कृषि विद्युत कनेक्शन नहीं है, या कोई और वैकल्पिक साधन पर निर्भरता नहीं है। उन्हें सिंचाई के लिए सोलर पैनल पर सरकार की ओर से अनुदान दिया जाएगा। इस योजना में राज्य और केंद्र सरकार दोनों की सहभागिता है।

योजना के लिए क्या है पात्रता

किसान के पास सिंचाई के लिए ट्यूबवेल आवश्यक है
किसान के पास बिजली कनेक्शन नहीं होना चाहिए
किसान के पास 0.4 हैक्टेयर और अनुसूचित जनजाति क्षेत्र में 0.2 हैक्टेयर भूमि आवश्यक है।

कैसे मिलेगा अनुदान ऑनलाइन आवेदन पत्र

जन आधार/आधार कार्ड की कॉपी
जमाबंदी की नई कॉपी
बोरिंग कनेक्शन का सर्टिफिकेट
किसान हिस्सा राशि जमा कराने का सहमति पत्र

कितना मिलेगा अनुदान

7.5 एचपी सौर ऊर्जा पंप तक, एक यूनिट की लागत का 60 प्रतिशत राशि सरकार देगी। एससी और एसटी किसानों के लिए 45 हजार रुपए एक किसान को एक यूनिट पैनल दिए जाएंगे।

प्रशासन शहरों के संग अभियान में दी छूट रहेगी जारीःसरकार ने 31 मार्च तक रखा बरकरार, आचार संहिता के कारण लग सकती है रोक

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

जयपुर लोकसभा चुनाव से पहले भजनलाल सरकार आमजन को लुभाने का प्रयास कर रही है। यही कारण है कि गहलोत सरकार के समय शुरू हुए प्रशासन शहरों के संग अभियान के तहत जो छूट और शिथिलताएं मिल रही थी, उन्हें भजनलाल सरकार ने 31 मार्च तक बरकरार रखने का फैसला किया है। नगरीय विकास विभाग ने बुधवार को इस संबंध में एक आदेश जारी किए हैं। हालांकि इस फैसले का फायदा लोगों को ज्यादा समय तक नहीं मिलेगा, क्योंकि अगले एक या दो दिन में लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लग जाएगी। ऐसे में इस छूट पर चुनाव आयोग फिर से रोक लगा सकता है। गहलोत सरकार के समय जब विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लगी थी, तब आयोग ने इस छूट को बरकरार रखने से मना कर दिया था।

50 हजार से ज्यादा मामले पेंडिंग

साल 2023 में विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लगने के साथ ही चुनाव आयोग ने अभियान के तहत दी जा रही छूट और शिथिलताओं पर रोक लगा दी थी। इस कारण प्रदेश की 200 से ज्यादा नगरीय निकायों, यूआईटी, विकास प्राधिकरण और हाउसिंग बोर्ड में इस अभियान के तहत आए 50 हजार से ज्यादा आवेदन अटक गए थे। इन आवेदकों को उम्मीद थी कि नई सरकार आने के बाद छूट पुनः बहाल हो जाएगी, लेकिन राज्य सरकार ने इस मामले पर निर्णय देरी से लिया। इस कारण अब लोगों को इसका फायदा मिलना मुश्किल है।

सरकार से मांगा था मार्गदर्शन

राज्य में सरकार बदलने के बाद नगरीय निकायों ने सरकार को पत्र लिखकर इन छूट को जारी रखने के संबंध मार्गदर्शन मांगा था, ताकि लंबित आवेदनों का निस्तारण किया जा सके।

बता दें कि इस अभियान को पूर्ववर्ती गहलोत सरकार ने अक्टूबर 2021 से शुरू किया था। अभियान के तहत तब सरकार ने 10 लाख परिवारों को उनके आवास या जमीनों का पट्टा जारी करने का टारगेट रखा था।

गरीब महिलाओं को एक लाख सालाना मदद, सरकारी नौकरी में 50 प्रतिशत आरक्षण का वादा

चुनाव से पहले कांग्रेस की नारी न्याय गारंटी योजना

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट। नई दिल्ली।लोकसभा चुनाव से पहले बुधवार को कांग्रेस ने नारी न्याय गारंटी योजना का वादा किया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया पर इसका ऐलान किया। इसके तहत कांग्रेस ने गरीब महिलाओं को हर साल एक लाख रुपए की मदद का वादा किया है। साथ ही कहा कि सरकारी नियुक्तियों में महिलाओं को आधा हक दिया जाएगा। कांग्रेस ने 5 योजनाओं का ऐलान किया...

1. महालक्ष्मी गारंटीः इसके तहत सभी गरीब परिवार की एक महिला को सालाना 1 लाख रुपए की सहायता दी जाएगी।
2. आधी आबादी-पूरा हकः इसके तहत केंद्र सरकार की नई नियुक्तियों में आधा हक महिलाओं को मिलेगा।
3. शक्ति का सम्मानः इस योजना के तहत आंगनवाड़ी, आशा और मिड-डे मील वर्कर्स के मासिक वेतन में केंद्र सरकार का योगदान दोगुना होगा।
4. अधिकार मैत्रीः इसके तहत हर पंचायत में महिलाओं को उनके हक के लिए जागरूक करने और जरूरी मदद के लिए अधिकार मैत्री के रूप में एक पैरा-लीगल यानी कानूनी सहायक की नियुक्ति की जाएगी।
5. सावित्री बाई फुले हॉस्टलः सभी जिला मुख्यालयों में कामकाजी महिलाओं के लिए कम से कम एक हॉस्टल बनाएंगे और पूरे देश में इन हॉस्टल की संख्या दोगुनी की जाएगी।

मुख्तार अंसारी को दूसरी बार उम्रकैद की सजा

36 साल पहले फर्जी साइन करके लिया था हथियार

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

वाराणसी. वाराणसी MP/MLA कोर्ट ने बुधवार को माफिया मुख्तार अंसारी को उम्रकैद की सजा सुनाई। इसके साथ ही 2 लाख 2 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। मुख्तार बांदा जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से कोर्ट की कार्रवाई से जुड़ा था। कोर्ट ने मंगलवार को 1987 में फर्जी हस्ताक्षर कर शस्त्र लाइसेंस लेने के मामले में मुख्तार को दोषी करार दिया था।

मुख्तार को यह दूसरी उम्रकैद की सजा है। इससे पहले, 5 जून 2023 को अवधेश राय हत्याकांड में मुख्तार को उम्रकैद हुई थी। वहीं, 17 महीने के अंदर मुख्तार को 8वीं सजा सुनाई हुई है। इंटरस्टेट गैंग 191 का सरगना मुख्तार अंसारी 25 अक्टूबर, 2005 से जेल में बंद है। उसके खिलाफ यूपी, दिल्ली, पंजाब में 65 मुकदमे दर्ज हैं। सुनवाई के दौरान प्रोसिक्यूशन ऑफिसर उदय राज शुक्ल और ADGC विनय कुमार सिंह ने दलील दी कि मुख्तार ने लंबे समय तक शस्त्र का उपयोग किया था। मुख्तार के खिलाफ कोर्ट में अब तक 10 गवाही हुई है। पूर्व मुख्य सचिव आलोक रंजन और पूर्व DGP देवराज नागर की गवाही को कोर्ट ने आधार माना और मुख्तार को दोषी पाया।

कार्यकर्ता बोलेंगे तो जरूर चुनाव लड़ूंगा : आक्या

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

चित्तौड़गढ़ चत्तौड़गढ़ के निर्दलीय विधायक फिर से अपने बयान को लेकर चर्चा में आ गए है। उन्होंने लोकसभा चुनाव लड़ने की बात कहीं, लेकिन यहां वे डिप्लोमेटिक दिखे। उनका कहना है कि कार्यकर्ता अगर चाहेंगे तो 100 प्रतिशत चुनाव लड़ूंगा। इस बयान के बाद से ही चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। लोग अलग-अलग कयास लगा रहे है। एक ओर विधानसभा चुनाव जीत के बाद उन्होंने बीजेपी को समर्थन देने का लेटर राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को सौंपा। वहीं, अभी चुनाव की बात कह कर सबको चौंका भी दिया। चित्तौड़गढ़ संसदीय सीट एक बार फिर चर्चाओं में है। यहां से बीजेपी की ओर से प्रदेशाध्यक्ष और सांसद सीपी जोशी का टिकट फाइनल किया गया। वहीं, कांग्रेस ने उदयलाल आंजना को उम्मीदवार बनाया है। इसके साथ ही चित्तौड़गढ़ विधानसभा से निर्दलीय विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने भी चुनाव लड़ने की बात कही। उन्होंने डिप्लोमेटिक होते हुए कहा कि हम निर्दलीय है। कार्यकर्ताओं से चर्चा की जाएगी कि आगे क्या करना है। किसको समर्थन देना है या आगे की रणनीति क्या होगी। अगर कार्यकर्ता कहेंगे तो 100 प्रतिशत चुनाव लड़ूंगा। इसमें कोई दो राय नहीं है। इसका सिचुएशन के हिसाब से फैसला लिया जाएगा। फिलहाल चर्चा चल रही है।

विधानसभा चुनाव के बाद सौंपा था समर्थन लेटर

बता दे कि विधानसभा चुनाव के बाद विधायक आक्या ने दिल्ली पहुंचकर जेपी नड्डा को अपना समर्थन लेटर सौंपा था। जिसमें उन्होंने लोकसभा चुनाव में बीजेपी को जीत दिलाने में मदद करने की बात कही थी। अब विधायक ने अपने इस बयान से सबको चौंका दिया। इस मामले को प्रदेशाध्यक्ष और सांसद सीपी जोशी से उनके तनाव को लेकर जोड़ा जा रहा है।

बेंगलुरु ब्लास्ट का संदिग्ध 12 दिन बाद हिरासत में

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

NIA ने कहा- यह हमले के उस व्यक्ति की तरह दिखता है, जो कैफे में बम रखकर गया था नई दिल्ली. बेंगलुरु के रामेश्वउरम कैफे बम ब्लास्ट मामले में NIA ने बुधवार को एक संदिग्ध को बेल्लारी से अरेस्ट किया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी का कहना है कि यह कुछ-कुछ हमले के उस व्यक्ति की तरह दिखता है, जिसका फोटो धमाके के बाद वायरल हुआ था।

दरअसल, 1 मार्च को रामेश्वटरम कैफे बम ब्लास्ट हुआ था। उसके कुछ घंटे बाद NIA को जांच के दौरान CCTV फुटेज से पता चला था कि कैप पहने एक युवक कैफे में बैग रखकर चला गया था। उसी बैग में ब्लास्ट हुआ था। उसने चेहरे पर मास्क लगाया था, इसलिए उसका साफ चेहरा नहीं दिख पाया। NIA ने CCTV की फुटेज भी रिलीज की थी। NIA ने स्टेटमेंट में कहा, 'ये संदिग्ध कुछ-कुछ हमले के मुख्य आरोपी की तरह दिखता है। हालांकि, यह वही आरोपी है या नहीं, अभी कहा नहीं जा सकता है।' मामले की जांच के दौरान CCTV फुटेज में दिखा था कि मास्क लगाए हुए एक व्यक्ति कैफे के पास बस से उतरता है और 11:30 बजे कैफे में दाखिल होता है। आरोपी की उम्र 25 से 30 साल के बीच है। वह एक बैग लेकर आया था। कैफे में उसने इडली ऑर्डर की, काउंटर पर पेमेंट करके टोकन लिया। इसके बाद 11:45 बजे बैग को डस्टबिन के पास रखकर चला गया। एक घंटे बाद इसी बैग में टाइमर के जरिए धमाका हुआ था जिसमें 10 लोग घायल हुए थे। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (NIA) ने बेंगलुरु के रामेश्वेरम कैफे में ब्लास्ट के आरोपी की जानकारी देने वाले को 10 लाख रुपए का इनाम देने का ऐलान 6 मार्च को किया था। एजेंसी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कहा था कि जो भी व्यक्ति ऐसी कोई जानकारी देगा, जिसकी मदद से आरोपी गिरफ्तार हो सके, वह इनाम का हकदार होगा। NIA ने यह भी कहा कि जानकारी देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। यह जानकारी info.blr.nia@gov.in ईमेल या 080-29510900 और 8904241100 फोन नंबर पर दी जा सकती है। एजेंसी ने सोशल मीडिया पोस्ट में आरोपी की तस्वीर भी जारी की। यह तस्वीर 1 मार्च को विस्फोट से पहले CCTV कैमरे में कैप्चर हुई थी।

ब्लास्ट के तार ISIS से जुड़े, 5 मार्च को NIA ने 7 राज्यों में छापेमारी की रामेश्व रम कैफे ब्लास्ट के तार आतंकी संगठन ISIS से जुड़ गए हैं। NIA ने मंगलवार को मामले में 7 राज्यों में 17 ठिकानों पर छापेमारी की। NIA की टीम ने बेंगलुरु के आरटी नगर में टी नजीर के घर पर छापा मारा। टी नजीर के ISIS से जुड़े होने का शक है। उसने कथित तौर पर कैफे ब्लास्ट के लिए आतंकवादियों को उकसाया था। इन छापों में गोलियां और ग्रेनेड्स बरामद हुए। जुनैद नाम का शख्स रामेश्वतरम कैफे ब्लास्ट का मास्टरमाइंड माना जा रहा है। उसके खिलाफ हवाला लेनदेन के संबंध में पहले से ही मामला दर्ज है। NIA की टीम छानबीन के लिए बेंगलुरु सेंट्रल जेल भी गई थी।

बारहवीं की परीक्षा में भी डमी स्टूडेंट:पूगल के सरकारी स्कूल में दो पेपर दे चुका था, तीसरे में पकड़ा गया

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट. बीकानेर। बीकानेर के पूगल एरिया के एक सरकारी स्कूल में परीक्षा के दौरान डमी स्टूडेंट पकड़ा गया। बारहवीं की परीक्षा के दौरान मूल केंडिडेट की जगह दूसरा ही युवक परीक्षा दे रहा था। शक होने पर उससे पूछताछ की गई और बाद में पुलिस को बुलाया गया। पूगल पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पूगल थानाधिकारी धर्मेंद्र ने बताया कि पहलवान का बेरा गांव में स्थित सरकारी स्कूल में परीक्षा चल रही थी। इस दौरान सवाई राम के नाम से एग्जाम दे रहे केंडिडेट पर टीचर्स को शक हो गया। इस पर उससे पूछताछ की गई। संतोषजनक

जवाब नहीं मिलने पर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सख्ती से पूछताछ की और डॉक्यूमेंट्स चैक किए तो पता चला कि एग्जाम दे रहा युवक सवाई राम नहीं था। उसकी जगह एग्जाम दे रहा युवक विष्ण बिश्नोई था। उसे हिरासत में ले लिया गया है। अब सवाईराम की भी तलाश की जा रही है कि उसने परीक्षा के लिए विष्णु को क्यों भेज दिया? अभी ये भी स्पष्ट नहीं हुआ है कि दोनों के बीच कितने रुपए में डील हुई है।

दो पेपर दे चुका है

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर की इस परीक्षा के दो पेपर पहले हो चुके हैं। इन दो पेपर में भी सवाईराम की जगह विष्णु बिश्नोई ही बैठा था। तीसरे पेपर में स्कूल टीचर्स को शक हो गया। माना जा रहा है कि किसी ने इसकी गुप्त शिकायत भी की थी, जिसके बाद सवाई राम की जगह परीक्षा दे रहे इस युवक पर नजर रखी गई।

ममता बनर्जी के भाई बोले-तृणमूल कैंडिडेट के खिलाफ चुनाव लड़ूंगा

एक घंटे बाद ममता ने कहा- मैंने और परिवार ने उनसे रिश्ता खत्म कर दिया

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

कोलकाता. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भाई बाबुन ने बुधवार को हावड़ा सीट से तृणमूल कैंडिडेट के खिलाफ चुनाव लड़ने का ऐलान किया। बाबुन TMC उम्मीदवार प्रसून बनर्जी के सिलेक्शन से खुश नहीं थे। उन्होंने कहा कि प्रसून हावड़ा के लिए सही विकल्प नहीं हैं। कई सक्षम उम्मीदवार थे, जिन्हें नजरअंदाज कर दिया गया। पार्टी ने ठीक नहीं किया। भाई के ऐलान के करीब एक घंटे बाद ममता बनर्जी ने कहा कि मैं और मेरा परिवार बाबुन से अपने सभी रिश्ते खत्म करते हैं। बाबुन ने कहा- भाजपा में नहीं जा रहा, निर्दलीय लड़ूंगा बाबुन बनर्जी ममता के छोटे भाई हैं। बाबुन अभी दिल्ली में हैं। उन्होंने कहा, "हावड़ा से TMC प्रत्याशी प्रसून बनर्जी (पूर्व फुटबॉलर) दो बार से सांसद हैं। प्रसून ने मेरा जो अपमान किया, उसे मैं कभी नहीं भूल सकता। मुझे पता है दीदी मेरे फैसले से सहमत नहीं होंगी, लेकिन अगर जरूरत पड़ी तो मैं हावड़ा सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ूंगा। जब तक ममता दीदी हैं, मैं कभी पार्टी नहीं छोड़ूंगा और न ही किसी अन्य राजनीतिक दल में शामिल होऊंगा। हां, मैं खेल से जुड़ा हूं, और मैं कई ऐसे भाजपा नेताओं को जानता हूं, जो खेल से जुड़े हुए हैं पर भाजपा में नहीं जा रहा हूं।"

TMC ने मेघालय में कांग्रेस के खिलाफ प्रत्याशी उतारा पश्चिम बंगाल में कांग्रेस से अलग अकेले चुनाव लड़ने के फैसले के बाद अब TMC मेघालय में भी पार्टी के विरोध में अपने प्रत्याशी खड़े कर रही है। TMC ने मेघालय की तुरा संसदीय सीट से पूर्व मंत्री जेनिथ संगमा को अपना कैंडिडेट घोषित किया है। कांग्रेस ने यहां से पहले ही सालेंग ए संगमा को अपना उम्मीदवार घोषित किया हुआ है। TMC के इस फैसले के बाद कहा जा रहा है कि ममता बनर्जी विपक्षी I.N.D.I.A ब्लॉक से अलग हो सकती हैं। जेनिथ संगमा पूर्व मुख्यमंत्री मुकुल संगमा

के छोटे भाई हैं, जो 2023 के चुनावों से पहले कांग्रेस छोड़कर TMC में शामिल हो गए थे। हालांकि, मुकुल संगमा विधानसभा चुनाव में अपनी सीट हार गए।

जयपुर में शराब कारोबारी की हत्या करने आए थे बदमाश

अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल से मिला था टास्क, सिग्नल ऐप पर हुई थी बात

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

जयपुर। अलवर में हत्या के मामले में जेल से जमानत पर छूटने के बाद हथियार लेकर आए 3 बदमाशों को जयपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया था। पूछताछ में सामने आया कि ये बदमाश जयपुर में ठिकाना बनाने नहीं, बल्कि एक शराब कारोबारी का मर्डर करने आए थे। इन बदमाशों को अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल से शराब कारोबारी की हत्या का टास्क दिया गया था। हाई सिक्योरिटी जेल में बंद हत्यारों से सिग्नल ऐप पर शराब कारोबारी की हत्या करने का आदेश मिलने पर तीनों बदमाश स्कूटी लेकर निकले थे। हत्या करने से पहले ही तीनों बदमाश हरमाड़ा थाना पुलिस के हत्थे चढ़ गए। पुलिस ने बदमाशों की घेराबंदी की तो वह पत्थरों पर कूद गए, जिसके कारण उनके पैरों में चोटें आई। पुलिस ने बदमाशों की घेराबंदी की तो वह पत्थरों पर कूद गए, जिसके कारण उनके पैरों में चोटें आई। एडिशनल कमिश्नर कैलाश बिश्नोई ने बताया कि 11 मार्च को सुबह डीएसटी से हरमाड़ा थाना पुलिस को सूचना मिली थी। स्कूटी सवार 3 बदमाश हरमाड़ा की तरफ आ रहे हैं। इन बदमाशों के पास अवैध हथियार हो सकते हैं। जांच के दौरान सीकर रोड पर 3 संदिग्ध स्कूटी सवार दिखाई दिए। इस पर हरमाड़ा थाना पुलिस की टीम ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखकर तीनों बदमाशों ने स्कूटी भगाने की कोशिश की।

एपीपी के लिए कल से करें आवेदन:12 अप्रैल लास्ट डेट, ऑनलाइन करना होगा अप्लाई

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

अजमेर. राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से निकाली गई सहायक अभियोजन अधिकारी प्रतियोगी परीक्षा-2024 का भर्ती के लिए कल से आवेदन कर सकते हैं। कुल 181 पदों के लिए आवेदन की लास्ट डेट 12 अप्रैल हैं। ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। शैक्षणिक योग्यता, वर्गवार वर्गीकरण, आवेदन प्रक्रिया एवं अन्य जानकारी संबंधी विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। सिटीजन ऐप (G2C) में उपलब्ध रिक्रूटमेंट पोर्टल का चयन कर वन टाइम रजिस्ट्रेशन (OTR) करना होगा। OTR करने के लिए अभ्यर्थी का नाम, पिता का नाम, जन्म तिथि, जेंडर, सेकेंडरी/समकक्ष परीक्षा और आधार कार्ड/पैन कार्ड/वोटर कार्ड/ड्राइविंग लाइसेंस में से कोई एक आईडी प्रूफ का डिटेल तथा डॉक्युमेंट अपलोड करना अनिवार्य है। लॉगिन कर सिटिजन ऐप (G2C) में उपलब्ध रिक्रूटमेंट पर क्लिक कर अपने OTR नंबर के आधार पर ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। एक बार OTR रजिस्ट्रेशन करने के बाद प्रोफाइल में किसी भी प्रकार का संशोधन नहीं किया जा सकेगा। परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट https://rpsc.rajasthan.gov.in देखी जा सकती है। राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर के परिसर में स्थित स्वागत कक्ष पर व्यक्तिगत रूप से या फोन नंबर 0145-2635212 और 2835200 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा- पार्टियों ने 22,030 बॉन्ड का पैसा कैश कराया

2019 से 2024 तक खरीदे 22,217 चुनावी बॉन्ड

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट, नई दिल्ली ब्यूरो। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के चेयरमैन दिनेश कुमार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में एफिडेविट फाइल की। इसमें बताया गया कि सुप्रीम कोर्ट के 11 मार्च के निर्देश के मुताबिक इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़ी उपलब्ध जानकारी चुनाव आयोग को दे दी गई है। चेयरमैन ने कहा- हमने ईसी को पेन ड्राइव में दो फाइलें दी हैं। एक फाइल में बॉन्ड खरीदने वालों की डिटेल्स हैं। इसमें बॉन्ड खरीदने की तारीख और रकम का जिक्र है। दूसरी फाइल में बॉन्ड इनकैश करने वाले राजनीतिक दलों की जानकारी है। लिफाफे में 2 पीडीएफ फाइल भी हैं। ये फाइल पेन ड्राइव में भी रखी गई हैं, इन्हें खोलने के लिए जो पासवर्ड है, वो भी लिफाफे में दिया गया है। हलफनामें के अनुसार, एक अप्रैल

2019 से 15 फरवरी 2024 तक 22 हजार 217 इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे गए। इनमें से 22,030 बॉन्ड का पैसा राजनीतिक पार्टियों ने कैश करा लिया है। पार्टियों ने 15 दिन की वैलिडिटी के भीतर 187 बॉन्ड को कैश नहीं किया, उसकी रकम प्रधानमंत्री राहत कोष में ट्रांसफर कर दी गई। इलेक्टोरल बॉन्ड की जानकारी देने से जुड़े केस में एसबीआई की याचिका पर 11 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने करीब 40 मिनट सुनवाई की थी। कोर्ट से कहा था- बॉन्ड से जुड़ी जानकारी देने में हमें कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन इसके लिए कुछ समय चाहिए। इस पर ब्श्रप् डीवाई चंद्रचूड़ ने पूछा- पिछली सुनवाई (15 फरवरी) से अब तक 26 दिनों में आपने क्या किया? सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की संविधान पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा कि 12 मार्च तक सारी जानकारी का खुलासा करे। इलेक्शन कमीशन सारी जानकारी को इकट्ठा कर 15 मार्च शाम 5 बजे तक इसे वेबसाइट पर पब्लिश करे। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की संविधान पीठ ने 15 फरवरी को इलेक्टोरल बॉन्ड की बिक्री पर रोक लगा दी थी। साथ ही 12 अप्रैल 2019 से अब तक खरीदे गए इलेक्टोरल बॉन्ड की जानकारी 6 मार्च तक इलेक्शन कमीशन को देने का निर्देश दिया था।

पेपर लीक माफिया बाबूलाल कटारा और उसके बेटे की करोड़ों की प्रॉपर्टी को ईडी ने किया अटैच

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट, डूंगरपुर। पूर्व आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा की करोड़ों की पांच बेशकीमती जमीनों को ईडी ने अटैच किया वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा का पेपर लीक करने वाले पूर्व आरपीएससी सदस्य बाबुलाल कटारा पर आज कार्रवाई हुई है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुकेश कुमार के निर्देशन में टीम सुबह 11 बजे सदर थाना पहुंची। जहां पुलिस जाब्ता और राजस्व विभाग के गिरदावर राजेंद्र कलाल, बाबुलाल डोन के निर्देशन में जमीनों पर कार्रवाई शुरू की। टीम ने सबसे पहले विजयाराजे ऑडिटॉरियम के पास में 1350 वर्गफीट का करोड़ों का प्लॉट देखकर उसे अटैच करते हुए प्रवर्तन निदेशालय का बोर्ड लगाया।

इसके बाद टीम मालपुर स्थित जमीनों पर पहुंची। यहां करीब 2 बीघा से अधिक की जमीन को अटैच करते हुए ईडी का बोर्ड लगाया। इसके बाद भाटपुर में भी कार्रवाई करते हुए तीन बीघा जमीन को अटैच किया। इस प्रकार टीम ने पांच बीघा जमीन को अटैच किया है। प्रर्वतन निदेशालय की टीम की ओर से फिलहाल लगातार कार्रवाई जारी है। गौरतलब है कि पूर्व आरपीएससी सदस्य बाबुलाल कटारा ने वरिष्ठ अध्यापक परीक्षा का पेपर स्टॉग रुम से चुराकर अपने सरकारी आवास पर लेकर गए थे। जहां पर अपने भतिजे विजय के साथ मिलकर पेपर को बेचा था। इस मामले में मुख्य आरोपी शेरसिंह की भी गिरफ्तारी हो चुकी है। एसओजी और ईडी की जांच में लगातार अग्रिम कार्रवाई जारी है। इसमें संपत्ति पर ईडी लगातार अधिकार कर रही है।

पैंथर ने 5 लोगों पर किया हमला, उदयपुर से पहुंची टीम ने किया ट्रैंकुलाइज

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट.डूंगरपुर। शहर से 12 किमी दूर महूडी वासुआ फला गांव में आज एक पैंथर ने धमाल माचा दिया। इस पैंथर ने कई लोगों पर हमला बोल दिया जिनमें से पांच जने घायल हो गए। बाद में उदयपुर से आई टीम ने उसे ट्रैंकुलाइज किया। घायलों में एक महिला भी शामिल है। गांव में हल्ला हो जाने के बाद पैंथर एक घर में जाकर छिप गया। उसके बाद लोगों ने मकान को बाहर से बंद कर दिया। गांव में साढे तीन घंटे से अधिक समय तक दहशत का माहौल रहा। उदयपुर से पहुंची टीम बुलाई गई जिसने आते ही पैंथर को ट्रैंकुलाइज करने में सफलता हासिल कर ली तब जाकर लोगों की जान में जान आई। ग्रामीणों ने बताया कि चौरासी थाना क्षेत्र के महुडी वासुआ फला में सुबह करीब 9:30 बजे गांव में एक पैंथर आ घुसा। उस वक्त गांव के मोहनलाल मनात का परिवार घर के बाहर ही बैठा था। अचानक पैंथर को देख कर परिजन घबरा गए और इस बीच पैंथर ने मोहनलाल की बेटी जया रोत (30) पर हमला कर दिया। हमले में जया के

कमर पर पैंथर का पंजा लगा। जया चीखते हुए भागी तो पैथर और हमलावर हो गया। उसने पास में ही चंदूलाल (31) पुत्र हुका मनात, मुकेश मनात (39), मोहनलाल मनात (60), भरत मनात पर भी हमला बोल दिया व घायल कर दिया। ठसके बाद वह भागते हुए मोहनलाल के घर के अंदर घुस गया। घर के सभी लोगों के बाहर होने के चलते लोगों ने तुरंत पैंथर कोघर में अंदर ही बंद कर दिया। इस बीच बड़ी संख्या में आस पास के लोग जमा हो गए व एम्बुलेंस बुलाई गई। एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को डूंगरपुर अस्पताल ले जाया गया। चौरासी थाना पुलिस डूंगरपुर वन रेंज की टीम के साथ मौके पर आई। दोपहर में करीब 12 बजे उदयपुर से ट्रैंकुलाइजर डीपी वर्मा डूंगरपुर पहुंचे। डीएफओ रंगास्वामी उन्हें साथ लेकर महूडी वासुआ फला आए। पैंथर घर के अंदर स्थित एक ड्रम के पीछे जाकर छिप गया। एक बजे दरवाजा खटखटाया गया। हलचल होते ही वह ड्रम के पीछे से बाहर आया। तभी पहले से निशाना साध कर खड़े अधिकारी ने ट्रैंकुलाइज गन दाग दी। 10 मिनट में असर हो गया और मकान का ताला खोलकर देखा तो पैंथर बेहोंश था। उसे एक चटाई में डालकर बाहर निकाला गया। इसके बाद वन विभाग की टीम पिंजरे में डालकर ले गई।

अपनी 8 सूत्रीय मांगों को लेकर धरने पर बैठे आयकर कर्मचारी

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। सब सिटी सेंटर स्थित आयकर भवन में आज आयकर कर्मचारी महासंघ नई दिल्ली के आह्वान पर इन्कम टेक्स एम्प्लाइज फेडरेशन राजस्थान सर्किल की उदयपुर शाखा की ओर से तीन दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। प्रतिदिन सुबह 11 से 4 बजे तक यहां पर धरना दिया जा रहा है। इस दौरान कर्मचारियों ने आईटीएफ जिंदाबाद, इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगाते हुए अपनी मांगों को पूरा करने की मांग की। संगठन सचिव राकेश सिन्हा ने 24 न्यूज अपडेट को बताया कि आईटीएफ ग्रुप सी के सदस्य आंदोलन में बढ चढ़ कर योगदान दे रहे हैं। मुख्य मांगों में रिक्रूटमेंट रूल्स की विसंगयितों को दूर करना है जिसमें कर्मचारियों के हितों के विपरीत कुछ रूल पास किए जा रहे हैं जो गलत है। तबादला नीति में भी बदलाव की मांग की गई है। वेतन विसंगतियों को दूर करने की भी मांग की गई है। प्रमोशन रूल्स की भी मांगे हैं। साथ ही साथ अनियमित कर्मचारियों को नियमित करने की भी मांग की गई है। कि आयकर विभाग के स्टेनो को नई भर्ती नियम में सुरक्षा क्लॉज प्रदान किया जाय। दिसंबर 2020 से पहले लंबित स्थानांतरण आवेदन पत्र पर पुनर्विचार किया जाए। विभाग में 2008 से पहले के दैनिक भोगी कर्मचारी को स्थायी नियुक्ति प्रदान की जाए।

खोखरवा नहर के पास पति-पत्नी को लूटा, मंगलसूत्र और नगदी छीनी

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट बांसवाड़ा। कलिंजरा थाना क्षेत्र के खोखरवा कस्बे में लूट का मामला सामने आया। इसमें पीड़ित ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। प्रार्थी मुकेश डामोर ने बताया की 11 मार्च की रात 9.30 बजे वह और उसकी पत्नी बबली दोनों बांसवाड़ा से अपने घर खोखरवा बाइक से आ रहे थे। उस समय खोखरवा में नहर के पास दो 2 बाइक पर सवार होकर आए 6 युवकों ने उनका रास्ता रोक दिया। बाइक से उतरते ही उन्होंने गाली गलौज की और फिर मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने पत्नी के गले से चांदी का मंगलसूत्र निकाल लिया और जेब में से करीब 60 हजार की नगदी भी लूट ले गए। प्रार्थी ने बताया की अंधेरे के कारण में आरोपियों की पहचान नहीं हो सकी। मारपीट के कारण प्रार्थी के सिर पर चोट भी आई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विधायक के साथ फिर आयड़ पहुंचा प्रशासनिक अमला, अब तक नहीं हुआ सीमांकन, कब्जे तोड़ने के आदेश

लोकसभा चुनावों के चलते अतिक्रमण हटना लग रहा मुश्किल

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट डूंगरपुर। केंद्र सरकार की नीतियों के विरोध में कांग्रेस ने मंगलवार को रैली निकाली। कलेक्ट्रेट में घुसने का प्रयास कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने धक्का देकर खदेड़ा। वहीं गेट पर चढ़ने का प्रयास कर रहे विधायक और पुलिस के बीच जमकर धक्का मुक्की हुई, लेकिन पुलिस ने सख्ती के साथ कांग्रेस को आगे बढ़ने से रोक दिया। इसके बाद कांग्रेस नेताओं ने ज्ञापन देकर अपनी मांगें रखी। जिला कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता गांधी आश्रम पार्टी कार्यालय में एकत्रित हुए। विधायक गणेश घोघरा, पूर्व सांसद ताराचंद भगोरा, पूर्व मंत्री डॉ. शंकर यादव सहित कांग्रेस के कार्यकर्ता हाथों में झंडे लेकर नारेबाजी करते हुए रैली के रूप में निकले। ढोल धमाके के साथ रैली कलेक्ट्रेट पहुंची। इसके बाद विधायक के साथ कांग्रेस कार्यकर्ता

कलेक्ट्रेट में ज्ञापन देने के लिए घुसने लगे, लेकिन पुलिस ने गेट बंद कर रोक लिया। जिस पर विधायक के साथ सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता गेट पर चढ़कर कलेक्ट्रेट में घुसने का प्रयास करने लगे, लेकिन पुलिस ने गेट पर चढ़ रहे विधायक और दूसरे कार्यकर्ताओं को नीचे खींचकर रोकने लगे। इस दौरान जमकर नारेबाजी के बाद पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच धक्का मुक्की हुई। करीब 15 मिनट तक दोनों के बीच जोर जबरदस्ती के बीच कलेक्टर को बाहर बुलाने की मांग करने लगे। इस पर डीएसपी तपेंद्र कुमार मैसेज लेकर कलेक्टर के पास पहुंचे, लेकिन कलेक्टर ने 5 लोगों को अंदर भेजने के लिए कहा। जिसके बाद विधायक सहित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने फिर से नारेबाजी करते हुए गेट पर चढ़ने का प्रयास किया। पुलिस ने चैन बनाते हुए जोर जबरदस्ती कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पीछे धकेला। एसडीएम नीरज मिश्र भी समझाइश करने पहुंचे, लेकिन बात नहीं बनी। कांग्रेस ने जमकर प्रदर्शन और विरोध के बीच ज्ञापन देकर अपनी मांगे रखी।

विधायक ने कहा कि शहर से लेकर गांवों में पानी की समस्या बढ़ गई है, लेकिन सरकार अब तक पानी की समस्या दूर नहीं कर सकी है। शहर में 5 से 10 दिनो में एक बार पानी की सप्लाई हो रही है। बिजली की समस्या से लोग जूझ रहे हैं।

अनुपस्थित मिले 3 अधिकारियों को नोटिस, कलेक्टर ने 17 सीसी की चार्जशीट देने के दिए निर्देश

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट. राजसमंद। राजसमंद कलेक्टर डॉ. भंवर लाल ने रेलमगरा ब्लॉक के कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान 3 अधिकारियों के अनुपस्थित मिलने पर उन्हे 17 सीसी की चार्जशीट देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों के कार्यालयों की व्यवस्थाएं देख उपस्थित कर्मचारियों व अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान पंचायत समिति रेलमगरा के अतिरिक्त विकास अधिकारी राजेश कुमार जैन, अकाउंटेंट निमेष राठौड़ और एमडी पशु चिकित्सालय के डॉ. बाबूलाल को अनुपस्थित होने पर चार्जशीट देने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर सुबह 9.40 बजे एमडी गांव के पशु चिकित्सालय पहुंचे, जहां ताला लगा मिला। कलेक्टर के आने की सूचना मिली तो पशु सहायक ने आनन फानन में आकर ताला खोला। कलेक्टर ने रजिस्टर का अवलोकन किया तो कई दिनों से रजिस्टर में हस्ताक्षर ही नहीं थे। साथ ही डॉ. बाबूलाल अनुपस्थित मिले। कलेक्टर ने समय पर कार्यालय आने और राजकीय दायित्वों का पूर्ण निष्ठा से निर्वहन करने की हिदायत दी। इसके बाद कलेक्टर रेलमगरा पंचायत समिति कार्यालय पहुंचे। अतिरिक्त विकास अधिकारी राजेश कुमार जैन, अकाउंटेंट निमेष राठौड़ अनुपस्थित मिले, जिस पर कलक्टर ने चार्जशीट देने के निर्देश दिए। इसके साथ ही यहां उन्होंने साफ-सफाई व कार्यालयों के कामकाज की स्थिति, पेंशन वेरिफिकेशन, लंबित विकास कार्यों, लंबित फाइलों की जानकारी ली।

24 न्यूज अपटेड
देश-दुनिया राज्यों एवं स्थानीय खबरें को देखने के लिए
हिन्दी समाचार पत्र एवं न्यूज़ चैनल
ताजा खबरें देखने के लिए
हमारे यूट्यूब चैनल को सबस्क्राइब करें
YouTube
हमारे फेसबुक पेज को फॉलो करें
लिंक पर क्लिक करें और हमारे चैनल को लाइक और सब्सक्राइब करें

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।